001_Page_01.qxd 30/08/2025 2:58 PM Page 1

www.nawalstimes.com nawalstimes

नवल्स टाइम्स

गोरखपुर, शनिवार , 30 अगस्त 2025 वर्ष-02, अंक-60 मूल्य-6 रुपये, पेज-30

04 साइबर क्राइम अवेयरनेस.... 09 नशामुक्ति के प्रति किया.... 10 कृष्णा जन्माष्टमी.....

■ राप्तीनगर ■ सूरजकुंड ■ कुसम्ही ■ फुलवरिया ■ रुस्तमपुर ■ मोहनापुर ■ बैम्बिनी ■ उनवल ■ खजनी ■ बख्शीपुर ■ तुर्कमानपुर ■ अयोध्या ■ मऊ

डॉ. संजयन त्रिपाठी जी के गीतों में आत्मिक स्नेह, सम्मान, समर्पण और कृतज्ञता का अद्भुत समावेश दिखा

नवल्स समूह की अध्यक्षिका श्रीमती किरण त्रिपाठी के जन्मोत्सव पर नवल्स नाइट कार्यक्रम का भव्य आयोजन

स्नेहिल विश्वास एवं समर्पण से भरा भावनात्मक संगीतमयी जन्मोत्सव कार्यक्रम, संस्कृतिक महोत्सव एवं सप्रेम सहभोज का सभी ने लुफ्त उठाया, जन्मोत्सव का संपूर्ण आयोजन सौहार्द, सरसता एवं आत्मीयता से परिपूर्ण रहा

अजय तिवारी...

नवल्स समूह की अध्यक्षिका श्रीमती किरण त्रिपाठी के जन्मोत्सव के अवसर पर एक भव्य सांस्कृतिक संध्या "नवल्स नाइट" का आयोजन महानगर के रुस्तमपुर स्थित बैंबिनी इंटरनेशनल स्कूल के सभागार में किया गया। यह आयोजन हर्षोल्लास, स्नेह और सांस्कृतिक विविधता का जीवंत उदाहरण बना।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात शिक्षकों एवं शुभचिंतकों द्वारा प्रस्तुत विविध रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थितजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नृत्य, संगीत, कविता और नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से सभी ने संस्थान समूह के अध्यक्षिका के प्रति अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त किया।

नवल्स समूह के अध्यक्ष डॉ. संजयन त्रिपाठी जी ने अपनी धर्मपत्नी एवं नवल्स समूह की अध्यक्षिका श्रीमती किरण त्रिपाठी के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर एक दिव्य एवं भव्य स्नेहिल विश्वास एवँ समर्पण से भरा भावनात्मक संगीतमयी कार्यक्रम का भी आयोजन किया।

इस विशेष अवसर पर डॉ. त्रिपाठी जी ने स्वयं कई भावात्मक गीतों की प्रस्तुति दी, जो न केवल उनके हृदय की गहराइयों से उपजे थे, बल्कि श्रोताओं के हृदय को भी छू गए।

डॉ. त्रिपाठी जी की मधुर वाणी और उनकी प्रस्तुति की आत्मीयता ने समस्त उपस्थितजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हर गीत में उनके द्वारा अध्यक्षिका महोदया के प्रति आत्मिक स्नेह, सम्मान, समर्पण और कृतज्ञता का अद्भुत समावेश दिखाई दिया।

कार्यक्रम बैंबिनी इंटरनेशनल स्कूल के सभागार मे निदेशक एवं विद्यालय की प्राचार्य बबीता शर्मा मैडम के कुशल निदेशन एवं नेतृत्व में सम्पन्न हुआ, संपूर्ण आयोजन सौहार्द, सरसता एवं आत्मीयता से परिपूर्ण रहा, जिसने जन्मोत्सव को एक अविस्मरणीय सांस्कृतिक अवसर में परिवर्तित कर दिया।

नवल्स समूह की ओर से समस्त स्टाफ एवं सहयोगियों ने अध्यक्षिका श्रीमती किरण त्रिपाठी जी ने केक काटकर सभी का अभिवादन किया, उपस्थित जन समूह ने जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं एवं उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। सभी ने श्रीमती किरण त्रिपाठी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और उनके शैक्षिक एवं सामाजिक योगदान की सराहना की। सभी ने भव्य साँस्कृतिक कार्यक्रम एवं स्नेहिल सहभोज का लुफ्त उठाया द्य

अपने उद्बोधन में श्रीमती त्रिपाठी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास ही नवल्स समूह की प्राथमिकता है। उन्होंने भावी योजनाओं की भी संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की, जिससे समूह की शैक्षिक गुणवत्ता को नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी।

"नवल्स नाइट" न केवल एक जन्मोत्सव समारोह था, बल्कि यह शिक्षा, कला और संस्कृति के संगम का सजीव मंच भी बना, जिसकी स्मृतियाँ सभी उपस्थितजनों के हृदय में अमिट रहेंगी।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से निदेशक डॉ. प्रांजल यस. त्रिपाठी, प्रखर त्रिपाठी, डॉ. प्राची त्रिपाठी, डॉ. अरविन्द कुमार सोनी, डॉ. विनय कुमार झा, बबीता शर्मा, अरुण पाण्डेय, समस्त प्राचार्यगण, समस्त पदाधिकारी एवं शिक्षक कर्मचारी एवं शुभेच्छु उपस्थित रहे।

2_Page_01.qxd 30/08/2025 2:59 PM Page 1

श्रीमती किरन त्रिपाठी का जन्मदिन नवल्स बैंबिनी में बड़ी धूमधाम से मनाया गया

डॉ. संजयन त्रिपाठी ने अपनी पत्नी के लिए प्यार भरे संदेश और गान किए प्रस्तुत

सभी शाखाओं के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण और सेंट्रल ऑफिस के कर्मचारी उपस्थित थे। शिक्षिकाओं ने गानों और नृत्यों से कार्यक्रम की रंगत बढ़ाई। नवल्स ग्रुप के निदेशक पुत्र डॉ. प्रांजल त्रिपाठी, प्रखर त्रिपाठी, उनकी बेटी और बुआ भी समारोह में शामिल थे।

3_Page_01.qxd 30/08/2025 3:00 PM Page 1

नवल्स नेशनल अकैडमी बक्शीपुर में स्थापना दिवस पर सप्ताहभर चला उल्लासपूर्ण सांस्कृतिक आयोजन

नवल्स नेशनल अकैडमी बक्शीपुर में स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक सप्ताह का भव्य आयोजन

निबंध लेखन, कविता पाठ, पोयम रेसिटेशन, चित्रकला, भाषण, आर्ट एंड क्राफ्ट जैसी प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया, विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, उत्साह और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया

शैलजा मिश्रा/शिक्षक संवाददाता

नवल्स बक्शीपुर। नवल्स नेशनल अकैडमी, बक्शीपुर में 30 जुलाई को विद्यालय का स्थापना दिवस अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर को विशेष बनाने हेतु विद्यालय में एक सप्ताह पूर्व से ही विविध सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

विद्यालय परिसर में पूरे सप्ताह उल्लासपूर्ण वातावरण बना रहा, जिसमें विद्यार्थियों की सहभागिता ने आयोजन को जीवंत बना दिया। नवल्स नेशनल अकैडमी ने इस अवसर पर शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों को भी प्रोत्साहित करने का संदेश दिया।

मुख्य आकर्षण

- *विद्यालय में सांस्कृतिक सप्ताह के अंतर्गत अनेक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं*
- *आयोजन को सफल बनाने में शिक्षकगण, उपप्रधानाचार्या एवं समस्त स्टाफ ने सक्रिय भूमिका निभाई*
- *स्थापना दिवस का यह आयोजन विद्यालय के लिए प्रेरणादायक एवं अविस्मरणीय बन गया*
- *30 जुलाई को नवल्स विद्यालय ने स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया*
- *इस अवसर को विशेष बनाने के लिए एक सप्ताह पूर्व से विविध गतिविधियाँ आयोजित की गईं*
- *विद्यालय के शिक्षकगण, उपप्रधानाचार्या एवं समस्त स्टाफ आयोजन को सफल बनाने में पूर्ण रूप से सक्रिय रहे*

4_Page_01.qxd 30/08/2025 3:00 PM Page 1

साइबर सुरक्षा पर केंद्रित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन नवल्स एकेडमी, बक्शीपुर में किया गया।

साइबर क्राइम अवेयरनेस कार्यक्रम : डिजिटल सुरक्षा की ओर एक कदम

● पुलिस अधिकारियों ने डिजिटल खतरों और बचाव के उपायों पर विद्यार्थियों को शिक्षित किया। ● विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए प्रश्न पूछे और साइबर सुरक्षा की जानकारी प्राप्त की।

शैलजा मिश्रा/शिक्षक संवाददाता

नवल्स बक्शीपुर। नवल्स नेशनल अकैडमी, बक्शीपुर शाखा में मंगलवार को थाना कोतवाली, गोरखपुर के सौजन्य से साइबर क्राइम अवेयरनेस एवं साइबर सुरक्षा पर आधारित एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों ने विद्यार्थियों को डिजिटल दुनिया की चुनौतियों, साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकार तथा उनसे बचाव के उपायों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। अधिकारियों ने बच्चों को सतर्कता बरतने, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग करने और सोशल मीडिया पर सावधानी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने गंभीरता से सहभागिता की और विषय को ध्यानपूर्वक सुनते हुए अनेक प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आत्मसुरक्षा की समझ विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम को शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सराहा तथा इसे डिजिटल युग में अत्यंत उपयोगी बताया।

कार्यक्रम की मुख्य बातें

- *साइबर सुरक्षा पर केंद्रित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन नवल्स एकेडमी में किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को डिजिटल दुनिया की चुनौतियों से परिचित कराया गया।*
- *पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों ने साइबर अपराधों के प्रकार, उनके प्रभाव और बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी।*
- *सुरक्षित इंटरनेट उपयोग और सोशल मीडिया पर सतर्कता बरतने के महत्व को रेखांकित किया गया।*
- *विद्यार्थियों ने गंभीरता से सहभागिता करते हुए विषय को ध्यानपूर्वक सुना और प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।*
- *कार्यक्रम का उद्देश्य था साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आत्मसुरक्षा की समझ विकसित करना।*
- *अगर आप चाहें तो मैं इसे पोस्टर या प्रेस विज्ञप्ति के रूप में भी तैयार कर सकता हूँ।*

कार्यक्रम का उद्देश्य

- *विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना*
- *डिजिटल सुरक्षा और आत्मसुरक्षा की समझ विकसित करना*
- *सुरक्षित इंटरनेट उपयोग की आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करना*

प्रमुख वक्ता और संदेश

- *पुलिस विभाग के अधिकारी : साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर विस्तृत जानकारी*
- *सतर्कता का संदेश- सोशल मीडिया पर सावधानी और डिजिटल सतर्कता की आवश्यकता*
- *विद्यार्थियों की सहभागिता- प्रश्न पूछकर सक्रिय रूप से विषय में रुचि दिखाई*

5_Page_01.qxd 30/08/2025 3:01 PM Page 1

रक्षाबंधन के अवसर पर रुस्तमपुर की छात्राओं ने नजदीकी पुलिस चौकी जाकर पुलिसकर्मियों को राखी बाँधी और मिठाई खिलाई

'रुस्तमपुर की छात्राओं ने पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन'

छात्रों ने कहा कि पुलिस देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाती है, इसलिए उन्हें भी इस पर्व में शामिल करना जरूरी है।

श्वेता/शिक्षक संवाददाता

नवल्स रुस्तमपुर। रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में आज रुस्तमपुर के छात्रों ने नजदीकी पुलिस चौकी का दौरा किया और वहाँ तैनात पुलिसकर्मियों को राखी बाँधकर उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने तिलक कर, राखी बाँधी और मिठाई खिलाई। बच्चों ने कहा कि हमारे देश की रक्षा में पुलिस का बहुत बड़ा योगदान होता है, इसलिए हम उन्हें भी रक्षाबंधन के इस पर्व में शामिल करना चाहते थे। पुलिसकर्मियों ने भी बच्चों का स्वागत कर उन्हें आशीर्वाद दिया और कहा कि यह उनके लिए एक भावुक और गर्व का क्षण है।

विद्यालय की प्रधानाचार्य अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम बच्चों में समाज सेवा और कर्तव्यनिष्ठा की भावना को जागृत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को पुलिस चौकी द्वारा मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षिका श्वेता त्रिपाठी और अमृता शाही उपस्थित रहीं।

मुख्य बिंदु

- *प्रधानाचार्य अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम बच्चों में समाज सेवा और कर्तव्यनिष्ठा की भावना जगाने के लिए आयोजित किया गया।*
- *कार्यक्रम के अंत में पुलिस चौकी द्वारा बच्चों को मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया गया; शिक्षिका श्वेता त्रिपाठी और अमृता शाही भी उपस्थित रहीं।*

6_Page_01.qxd 30/08/2025 3:01 PM Page 1

बच्चों ने राखियाँ बाँधकर भाई-बहन के रिश्ते को सम्मानित किया, कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा से हुई

रक्षाबंधन पर नवल्स रुस्तमपुर में बच्चों ने दिखाया भाईचारे का उत्साह

छात्राओं ने सहपाठियों को राखी बाँधी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में गीत, नृत्य और नाटक शामिल रहे, बच्चों ने स्वयं बनाई गई राखियाँ प्रदर्शित कीं, मिठाइयों के साथ रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ दी गईं

श्वेता/शिक्षक संवाददाता

नवल्स रुस्तमपुर। *बच्चों ने आज रक्षाबंधन का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर बच्चों ने राखियाँ बाँधकर भाई-बहन के अटूट रिश्ते को सम्मान दिया।*

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह प्रार्थना सभा के साथ हुई, जिसके बाद छात्राओं ने अपने सहपाठियों को राखी बाँधी। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें राखी गीत, नृत्य, कविताएँ और नाट्य प्रस्तुति शामिल थी।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बच्चों को रक्षाबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व हमारे संस्कारों, प्रेम और कर्तव्य की भावना को सुदृढ़ करता है। कई छात्र-छात्राओं ने अपने हाथों से बनाई गई राखियाँ भी प्रदर्शित कीं। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में पारंपरिक मूल्यों को प्रोत्साहित करना और भाईचारे की भावना को मजबूत करना था।

कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को मिठाइयाँ वितरित की गईं और सभी ने मिलकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ दीं।

7_Page_01.qxd 30/08/2025 3:02 PM Page 1

उत्सव : रक्षाबंधन पर्व को पारंपरिक उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया

नवल्स नेशनल एकेडमी में रक्षाबंधन पर्व की रंगारंग छटा

सांस्कृतिक कार्यक्रम : बच्चों ने भाई-बहन के प्रेम पर आधारित गीत और कविताएँ प्रस्तुत कीं।
राखी बाँधने की रस्म : छात्राओं ने सहपाठियों की कलाई पर राखी बाँधी और मिठाई खिलाई।

प्रीति पांडेय/शिक्षक संवाददाता

नवल्स कुसम्ही। नवल्स नेशनल एकेडमी में प्राथमिक कक्षाओं के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन का पर्व पारंपरिक उत्साह और उमंग के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई, जिसमें बच्चों ने भाई-बहन के प्रेम पर आधारित गीत और कविताएँ प्रस्तुत कीं।

छात्राओं ने अपने सहपाठियों की कलाई पर राखी बांधकर मिठाई खिलाई और स्नेह व सुरक्षा का वचन लिया। विद्यालय में राखी बनाने की प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने रंग-बिरंगे धागों, मोतियों और चमकीले सजावटी सामान से आकर्षक राखियाँ तैयार कीं।

प्रधानाचार्य ने सभी को इस पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, प्रेम और एकता का प्रतीक है। पूरे विद्यालय में दिनभर उत्सव और आनंद का माहौल बना रहा।

मुख्य बिंदु

- **भावनात्मक संदेश :** बच्चों ने स्नेह और सुरक्षा का वचन लिया, जिससे आपसी प्रेम की भावना प्रबल हुई।
- **राखी प्रतियोगिता :** रंग-बिरंगे धागों, मोतियों और सजावटी सामान से आकर्षक राखियाँ बनाई गईं।
- **रचनात्मकता का प्रदर्शन :** बच्चों ने अपनी कला और कल्पनाशक्ति से सुंदर राखियाँ तैयार कीं।
- **प्रधानाचार्य का संदेश :** रक्षाबंधन को प्रेम, विश्वास और एकता का प्रतीक बताया गया।
- **सामूहिक सहभागिता :** पूरे विद्यालय ने मिलकर पर्व को उत्सव के रूप में मनाया।
- **उत्सव का माहौल :** दिनभर विद्यालय में आनंद, उल्लास और भाईचारे की भावना बनी रही।

8_Page_01.qxd 30/08/2025 3:03 PM Page 1

संपादकीय

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी : सांस्कृतिक आध्यात्मिक व सामाजिक चेतना का उत्सव

भारतवर्ष की सांस्कृतिक परंपराएँ विविधता में एकता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। इन्हीं गौरवशाली परंपराओं में से एक है श्रीकृष्ण जन्माष्टमी वह दिव्य रात्रि जब मानवता को धर्म, प्रेम और करुणा का अनुपम संदेश देने वाले श्रीकृष्ण का अवतरण हुआ। इस अवसर पर प्रस्तुत है यह विशेषांक, जो न केवल एक उत्सव का वर्णन है, अपितु आत्ममंथन का एक अवसर भी है।

श्रीकृष्ण जी एक बहुआयामी व्यक्तित्व, भगवान श्रीकृष्ण केवल एक धार्मिक पुरुष नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन, दर्शन और जीवन मूल्य के केंद्रबिंदु हैं। उनका जीवन कर्मयोग, भक्तियोग और ज्ञानयोग का त्रिवेणी संगम है। बाल्यकाल में जहाँ वह माखनचोर और गोपियों के संग रासलीला करने वाले प्रेममय नायक हैं, वहीं महाभारत के युद्धक्षेत्र में अर्जुन को गीता का उपदेश देने वाले गंभीर दार्शनिक भी हैं। आज के संदर्भ में श्रीकृष्ण के आदर्श

जन्माष्टमी केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि श्रीकृष्ण के जीवन और उनके संदेशों को आत्मसात करने का अवसर है। जब समाज में मूल्यविहीनता, अन्याय और असंतुलन बढ़ रहा है, तब श्रीकृष्ण का संदेश ÷धर्म संस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे÷ हमें प्रेरणा देता है कि हमें भी अपने जीवन में सत्य और न्याय के लिए खड़ा होना होगा। श्रीकृष्ण ने जो निष्काम कर्म का सिद्धांत दिया, वह आज के भौतिकवादी युग में भी प्रासंगिक है। जब हम परिणाम की चिंता किए बिना कर्तव्यपथ पर अग्रसर होते हैं, तभी हम वास्तविक सफलता और संतोष प्राप्त कर सकते हैं।

जन्माष्टमी का सामाजिक पक्ष- जन्माष्टमी भारत के कोने-कोने में हर्षोल्लास से मनाई जाती है। दही हांडी, झांकी, रासलीला जैसी परंपराएँ सामाजिक समरसता, सहयोग और सामूहिकता की भावना को पुष्ट करती हैं। यह त्योहार हमें एक साथ मिलकर आनंद मनाना, परंपराओं से जुड़ना और नई पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने का माध्यम भी है।

एक आधुनिक अपील- आज जब युवा पीढ़ी पाश्चात्य प्रभावों से प्रभावित है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम श्रीकृष्ण को केवल एक पौराणिक पात्र नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत करें। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि कैसे विषम परिस्थितियों में भी मुस्कुराकर कर्म करते रहना चाहिए। हमें यह भी समझना होगा कि अध्यात्म केवल सन्यास नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है और श्रीकृष्ण इसके सर्वोत्तम प्रतीक हैं।

इस श्रीकृष्ण जन्माष्टमी विशेषांक के माध्यम से हम यही आशा करते हैं कि पाठकगण श्रीकृष्ण के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरणा लें और अपने व्यक्तिगत तथा सामाजिक जीवन में धर्म, प्रेम, करुणा और कर्तव्य के मार्ग पर चलें। आइए, इस जन्माष्टमी हम सब मिलकर संकल्प लें कि श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने व्यवहार में उतारेंगे और एक सुंदर, संतुलित तथा समरस समाज के निर्माण में सहभागी बनेंगे। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी हिन्दू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जिसे भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इसकी पौराणिक और धार्मिक महत्ता अत्यंत गहन और व्यापक है।

पौराणिक महत्ता : भगवान विष्णु के आठवें अवतार- श्रीकृष्ण को भगवान विष्णु का आठवां अवतार माना जाता है, जो अधर्म के नाश और धर्म की पुनः स्थापना हेतु पृथ्वी पर अवतरित हुए।

कंस का वध और अत्याचार का अंत: श्रीकृष्ण ने अपने जन्म के पश्चात अत्याचारी कंस का वध कर मथुरा को उसके आतंक से मुक्त किया। यह घटना अन्याय और अधर्म पर सत्य और धर्म की विजय का प्रतीक है।

महाभारत और गीता का उपदेश : श्रीकृष्ण ने महाभारत युद्ध के दौरान अर्जुन को गीता का उपदेश दिया, जो आज भी मानवता के लिए एक महान दार्शनिक और आध्यात्मिक ग्रंथ है।

लीलाओं से भरा जीवन : बाल्यकाल की लीलाएं जैसे माखन चोरी, गोवर्धन उठाना, कालिया नाग मर्दन आदि, पौराणिक ग्रंथों में वर्णित हैं, जो श्रीकृष्ण की दिव्यता और चमत्कारिक शक्तियों को दर्शाती हैं।

धार्मिक महत्ता : भक्ति का पर्व, यह दिन भक्तों के लिए भक्ति, व्रत, उपवास और आराधना का विशेष अवसर होता है। मंदिरों में श्रीकृष्ण के झूलों और झांकियों का आयोजन होता है। रात्रि जागरण और भजन-कीर्तनः श्रीकृष्ण का जन्म रात्रि के समय हुआ था, इसलिए इस दिन रात्रि जागरण, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान विशेष रूप से किए जाते हैं।

नवजात श्रीकृष्ण की झांकी : मंदिरों और घरों में श्रीकृष्ण की बालरूप में झांकी सजाई जाती है, और उन्हें पालने में झुलाया जाता है। यह भक्तों में आनंद और आस्था का संचार करता है।

धार्मिक शिक्षाओं का स्मरण : श्रीकृष्ण की शिक्षाओं जैसे निष्काम कर्मयोग, प्रेम, करुणा, और सत्य पर चलने की प्रेरणा इस दिन विशेष रूप से स्मरण की जाती हैं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि यह जीवन को धर्म, भक्ति और कर्म के मार्ग पर ले जाने की प्रेरणा भी है। यह दिन हमें यह सिखाता है कि अधर्म चाहे जितना भी शक्तिशाली हो, अंततः सत्य और धर्म की ही विजय होती है।

"स्वतंत्रता का अमृत पर्व-आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ते कदम"

15 अगस्त 2025 को भारत अपना 79वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। यह दिन प्रत्येक भारतीय के लिए केवल एक तिथि नहीं, बल्कि आज़ादी की उस गौरवशाली गाथा की स्मृति है, जिसे लाखों बलिदानों, अटूट संकल्प और अपार धैर्य से लिखा गया। यह पर्व न केवल भारत के इतिहास की अमर विरासत को याद करने का अवसर है, बल्कि देश की वर्तमान उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर चिंतन-मनन का भी महत्वपूर्ण क्षण है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि- बलिदान और संघर्ष की अमर कहानी भारत की स्वतंत्रता की यात्रा कोई एक दिन की घटना नहीं थी। यह संघर्ष 1857 की प्रथम स्वतंत्रता क्रांति से लेकर 1947 तक अनेक आंदोलनों, सत्याग्रहों, जेल यात्राओं और बलिदानों की श्रृंखला से होकर गुज़री। महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, रानी लक्ष्मीबाई जैसे अनगिनत वीरों ने इस राष्ट्र को परतंत्रता की बेड़ियों से मुक्त करने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। आज का भारत-उपलब्धियों की उड़ान 79 वर्षों की यह यात्रा भारत के लिए केवल स्वतंत्रता की नहीं, बल्कि समृद्धि, नवाचार और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने की यात्रा भी रही है। आज भारत विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान भारत और मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने देश की तस्वीर बदल दी है।

हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति : तकनीकी क्षेत्र में उन्नति- ISRO द्वारा चंद्रयान-3 और गगनयान मिशन जैसी उपलब्धियाँ भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बना रही हैं।

कोविड-19 के दौरान भारत ने न केवल दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया, बल्कि "वैक्सीन मैत्री" के माध्यम से अन्य देशों की भी मदद की। आर्थिक मोर्चे पर विकास: MSME सेक्टर को बढ़ावा, डिजिटल लेन-देन की वृद्धि और ई-कॉमर्स में विस्तार भारत की आर्थिक मजबूती को दर्शाता है। युवा शक्ति और नवभारत की आकांक्षाएँ

आज का भारत युवा है, जागरूक है और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में दृढ़संकल्पित है। 65% से अधिक जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है, जो भारत की सबसे बड़ी ताकत है। ये युवा विज्ञान, तकनीक, उद्यमिता, कला और खेलों में नए प्रतिमान स्थापित कर रहे हैं। भारत का आज का युवा न केवल नौकरी खोजने

वाला है, बल्कि नौकरी देने वाला बन रहा है। स्टार्टअप्स की बाढ़, AI और Robotics जैसे क्षेत्रों में अग्रणी पहल, और ग्लोबल स्तर पर भारत की बढ़ती साख इस बात का प्रमाण है।

चुनौतियाँ और समाधान की राह जहाँ भारत ने कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है, वहीं कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं- ग्रामीण-शहरी अंतर, बाल श्रम और लैंगिक असमानता को अभी और addressed करने की आवश्यकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ अब भी एक चुनौती हैं।

जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी समस्याओं से निपटने के लिए सतत विकास की ओर कदम बढ़ाना आवश्यक है।

इन समस्याओं का समाधान तभी संभव है जब शासन, समाज और नागरिक- तीनों एकजुट होकर कार्य करें।

अधिकार से दायित्व की ओर आज जब हम स्वतंत्र हैं, तब हमारा कर्तव्य है कि हम उस स्वतंत्रता को सार्थक बनाएं। स्वतंत्रता केवल अधिकारों का नाम नहीं है, यह उत्तरदायित्वों का भी आह्वान है। हमें अपने लोकतंत्र, संविधान, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक एकता की रक्षा करनी है।

चलो फिर से खुद को जगाएं...

भारत का 79वां स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव नहीं, एक प्रेरणा है। यह दिन हमें यह स्मरण कराता है कि हम न केवल एक समृद्ध अतीत के उत्तराधिकारी हैं, बल्कि एक उज्ज्वल भविष्य के निर्माता भी हैं। हमें मिलकर एक ऐसा भारत बनाना है जो न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध हो, बल्कि सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण, पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ और नैतिक रूप से सुदृढ़ हो।

"चलो फिर से खुद को जगाएं,
अनुशासन का दीप जलाएं,
याद करें वो वीर सपूत,
जिनके कारण ये दिन है आया।"

भारत में स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) केवल एक ऐतिहासिक स्मृति नहीं है, बल्कि यह वर्तमान समय में भी अत्यंत प्रासंगिक है। बदलते सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में इसका महत्व और भी बढ़ गया है।

लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनः पुष्टि- आज जब लोकतांत्रिक संस्थाएं चुनौतियों का सामना कर रही हैं - जैसे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मीडिया की निष्पक्षता, और संस्थाओं की पारदर्शिता- स्वतंत्रता दिवस हमें संविधान में निहित मूल्यों को पुनः स्मरण करने का अवसर देता है।

आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों के माध्यम से देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास हो रहा है। स्वतंत्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि केवल राजनीतिक स्वतंत्रता ही नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी और वैचारिक स्वतंत्रता भी आवश्यक है। युवा पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम और जिम्मेदारी का भाव आज की पीढ़ी डिजिटल युग में पल रही है। उनके लिए स्वतंत्रता का अर्थ केवल आज़ादी नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व भी है - जैसे कि नागरिक कर्तव्यों का पालन, पर्यावरण संरक्षण, और सामाजिक समरसता को बनाए रखना। सांप्रदायिक सौहार्द और सामाजिक एकता की आवश्यकता वर्तमान समय में देश कई सामाजिक तनावों और विभाजनों से जूझ रहा है। स्वतंत्रता दिवस हमें यह सिखाता है कि आज़ादी केवल किसी एक वर्ग की नहीं, बल्कि सभी जातियों, धर्मों और वर्गों की साझी विरासत है।

राष्ट्रीय सुरक्षा और आत्मबल का बोध वैश्विक अस्थिरता, सीमाओं पर तनाव, और साइबर खतरों के बीच, स्वतंत्रता दिवस एक चेतावनी है कि हमारी स्वतंत्रता की रक्षा केवल शहीदों की स्मृति से नहीं, बल्कि सतत जागरूकता और तैयारियों से होती है। सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा, यह दिन केवल झंडा फहराने का अवसर नहीं है, बल्कि आत्ममंथन का समय है - कि हम व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से राष्ट्र के विकास में क्या योगदान दे रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस का सामयिक निहितार्थ यह है कि यह दिन न केवल अतीत के बलिदानों को स्मरण करने का, बल्कि वर्तमान की चुनौतियों का सामना करने और भविष्य के लिए संकल्प लेने का भी दिन है। यह दिन हमसे पूछता है - "क्या हम सच में स्वतंत्र हैं?" और "क्या हम दूसरों की स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं?"

अजय तिवारी..

9_Page_01.qxd 30/08/2025 3:03 PM Page 1

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नवल्स सूरजकुंड में शपथ ग्रहण एवं विचार गोष्ठी का आयोजन

विविध कार्यक्रम के माध्यम से नशा मुक्ति के प्रति किया जागरूक

विचार गोष्ठी में नशा मुक्त समाज का सभी ने लिया संकल्प

अजय तिवारी, शिक्षक सम्वाददाता

नवल्स सूरजकुंड। सूरजकुंड स्थित नवल्स नेशनल एकेडमी में "नशा मुक्त भारत अभियान" के अंतर्गत शपथ ग्रहण समारोह एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक कर एक स्वस्थ एवं समर्पित समाज की दिशा में कदम बढ़ाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत नेस्डा प्रभारी वारिस सिद्दीकी के प्रेरणादायक उद्बोधन से हुई, जिसमें उन्होंने छात्रों से नशे से दूर रहने एवं दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। तत्पश्चात सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने "नशा मुक्त भारत" की शपथ ली, जिसमें उन्होंने जीवन भर किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने का संकल्प लिया।

विचार गोष्ठी के दौरान विशेषज्ञ वक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने नशा और इसके सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक प्रभावों पर अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया तथा सकारात्मक जीवन शैली अपनाने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान किया। विद्यालय के सभी विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई पोस्टर एवं चित्रों के माध्यम से नशा उन्मूलन का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

नवल्स नेशनल एकेडमी इस प्रकार के जागरूकता अभियानों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक आयोजनों को निरंतर करता रहेगा,

इस अवसर पर नेस्डा प्रभारी वारिस सिद्दीकी, समस्त शिक्षक, छात्र, कर्मचारी एवं अविभावक भारी संख्या में उपस्थित रहें।

10_Page_01.qxd 30/08/2025 3:04 PM Page 1

"कृष्ण जन्माष्टमी : प्रेम, भक्ति और संस्कार का उत्सव"

"कृष्णा जन्माष्टमी : नवल्स सूरजकुंड में कान्हा का स्वागत"

"बाल गोपाल के रंग में रंगा नवल्स परिवार", "नन्हे-नन्हे कन्हैया संग जन्माष्टमी","छोटे-छोटे हाथों से बड़ा उत्सव"

अजय तिवारी/शिक्षक सम्वाददाता

नवल्स सूरजकुंड। नवल्स नेशनल एकेडमी, सूरजकुंड में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी के पावन अवसर पर एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण के पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलन से हुई। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत माखनचोरी, रासलीला एवं दही हांडी जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह को कृष्णमय कर दिया। मुख्य आकर्षण रहा नन्हे-मुन्ने बच्चों का कृष्ण-राधा वेशभूषा प्रतियोगिता, जिसमें बच्चों ने पारंपरिक पोशाकों में अपने अभिनय व प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया।

ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेस्डा प्रभारी वारिस सिद्दीकी ने कहा, "श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक धरोहर है, जिससे बच्चों को नैतिक मूल्यों, धर्म और भारतीय परंपराओं की शिक्षा मिलती है।"

नवल्स नेशनल एकेडमी निरंतर भारतीय संस्कृति, परंपराओं और नैतिक शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु इस प्रकार के आयोजनों को प्राथमिकता देती रही है।

इस अवसर पर नेस्डा प्रभारी वारिस सिद्दीकी, समस्त शिक्षक, छात्र, कर्मचारी एवं अविभावक भारी संख्या में उपस्थित रहें।

11_Page_01.qxd 30/08/2025 3:04 PM Page 1

नवल्स नेशनल एकेडमी, सूरजकुंड में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया 79वाँ स्वतंत्रता दिवस

कर्तव्यनिष्ठ और एकजुट

भारत का संदेश देता भव्य समारोह

डॉ. रत्नाकर चतुर्वेदी, श्रीमती अमृता चतुर्वेदी एवं वारिस सिद्दीकी द्वारा ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गूंजाविद्यार्थियों ने प्रभात फेरी, मार्चपास्ट और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सरस्वती वंदना, देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटिका और कविता पाठ ने मन मोह लिया। मुख्य अतिथि डॉ. रत्नाकर चतुर्वेदी और वारिस सिद्दीकी ने विद्यार्थियों को कर्तव्यनिष्ठ व जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। अभिभावक, शिक्षक और विद्यार्थी सभी ने देश के विकास में योगदान का संकल्प लिया।

अजय तिवारी/शिक्षक संवाददाता

नवल्स सूरजकुंड। नवल्स नेशनल एकेडमी, सूरजकुंड में 15 अगस्त 2025 को 79वाँ स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह, गौरव और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंगों से सराबोर हो गया।

समारोह की शुरुआत प्रातः 8:30 बजे ध्वजारोहण के साथ हुई। वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. रत्नाकर चतुर्वेदी, श्रीमती अमृता चतुर्वेदी, नेस्डा प्रभारी वारिस सिद्दीकी ने ध्वजा रोहण किया, राष्ट्रगान की गूंज के साथ वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत हो उठा। विद्यार्थियों द्वारा प्रभात फेरी, मार्चपास्ट कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई,

सभी अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती एवं महापुरुषों व अमर वीर सेनानियों के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर पुष्प अर्पण किया गया, छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत एवं राष्ट्र भक्ति गीतों से साँस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत हुई, विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम राष्ट्रभक्ति गीत, नृत्य, भाषण, आप्रेशन सिंदूर का मंचन सहित तमाम सामयिक विषयो पर प्रस्तुत कार्यक्रम आदि ने सभी का मन मोह लिया।

> **नवल्स नेशनल एकेडमी में स्वतंत्रता दिवस पर देशभक्ति का संगम**
>
> **विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने बिखेरी आज़ादी के जश्न की छटा**

विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों ने सभी अतिथियों का बैच लगाकर स्वागत किया, विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम समारोह का मुख्य आकर्षण रहा। रंगारंग प्रस्तुतियों में देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटिका एवं कविता पाठ शामिल थे, जिनमें भारत की सांस्कृतिक विविधता एवं स्वतंत्रता संग्राम का जीवंत चित्रण किया गया। 'वंदे मातरम्' और 'सारे जहाँ से अच्छा' जैसे गीतों की प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. रत्नाकर चतुर्वेदी ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को नमन करते हुए विद्यार्थियों को देश के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहने का संदेश दिया।

अपने उद्बोधन में श्री वारिस सिद्दीकी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस से हमे सीख मिलती है कि एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में हमारा कर्तव्य अहम है, ताकि हम अपने देश को और समाज को बेहतर बनाने के लिए काम करें, उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस का पर्व केवल राष्ट्र के गौरव का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह हमें एकजुट होने, अपने देश के प्रति प्यार और निष्ठा को बढ़ाने का भी अवसर प्रदान करता है। आज का दिन हमें यह याद दिलाता है कि हम सभी एकजुट होकर ही अपने देश को प्रगति और समृद्धि की ओर ले जा सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने देश के विकास में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा आयोजित इस भव्य समारोह में अनुशासन, ऊर्जा और राष्ट्रप्रेम की झलक स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। अंत में धन्यवाद/आभार ज्ञापन वारिस सिद्दीकी ने किया, साथ समारोह का समापन हुआ। उक्त अवसर पर सभी विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी एवं अविभावक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

12_Page_01.qxd 30/08/2025 3:05 PM Page 1

"माखन चोरी" की झांकी रही मुख्य आकर्षण, छोटे कृष्णों की अदाओं ने सबको मंत्रमुग्ध किया

नवल्स नेशनल एकेडमी में जन्माष्टमी महोत्सव

नन्हें कान्हाओं ने लूटी सबकी वाहवाही

■ प्री-प्राइमरी कक्षा के बच्चों ने राधा-कृष्ण का रूप धारण कर मन मोह लिया। ■ राधा-कृष्ण वेशभूषा में सजे नन्हें-मुन्नों ने भक्ति भाव से जीता सभी का दिल। ■ बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े आदर्शों और शिक्षाओं से कराया गया अवगत। ■ प्रसाद वितरण के साथ हुआ कार्यक्रम का समापन। ■ भक्ति-रस से सराबोर यह आयोजन सभी के लिए अविस्मरणीय बन गया।

प्रीति पाण्डेय/शिक्षक संवाददाता

नवल्स कुसम्ही। नवल्स नेशनल एकेडमी में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्री-प्राइमरी कक्षा के नन्हें-मुन्नें बच्चों ने राधा-कृष्ण का रूप धारण कर सबका मन मोह लिया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण "माखन चोरी" की झांकी रही, जिसमें छोटे-छोटे कृष्ण रूपी बच्चों ने घड़े से माखन निकालकर खेल-खेल में सभी को प्रसन्न कर दिया। इस मनमोहक दृश्य ने सभी को बाल्यकाल के नटखट कृष्ण की याद दिला दी। राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे बच्चों ने अपनी अदाओं और भक्ति भाव से सभी का मन जीत लिया। विद्यालय परिवार ने बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े आदर्शों और शिक्षाओं के महत्व से भी अवगत कराया।

समारोह का समापन सभी के लिए प्रसाद वितरण के साथ हुआ। नन्हें कदमों की यह भक्ति-रस भरी प्रस्तुति अविस्मरणीय बन गई।

13_Page_01.qxd 30/08/2025 3:05 PM Page 1

नवल्स नेशनल एकेडमी में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस उत्साह एवं देशभक्ति के साथ मनाया गया

स्वतंत्रता दिवस समारोह नवल्स नेशनल एकेडमी में धूमधाम से सम्पन्न

● समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त सेना अधिकारी श्री आर. डी. सिंह द्वारा ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान से हुआ। ● सम्पूर्ण विद्यालय परिसर "जय हिन्द" के नारों से गूंज उठा। ● अपने प्रेरक उद्बोधन में श्री सिंह ने विद्यार्थियों को अनुशासन, समर्पण और देशप्रेम का संदेश दिया। ● बच्चों ने देशभक्ति गीत, नृत्य, भाषण एवं लघु नाटिकाओं के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम की झलक प्रस्तुत की। ● कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या श्रीमती पिंकी तिवारी ने आभार व्यक्त करते हुए एकता एवं सत्यनिष्ठा पर बल दिया।

प्रीति तिवारी/शिक्षक संवाददाता

नवल्स कुसम्ही। *नवल्स नेशनल एकेडमी में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त सेना अधिकारी श्री आर. डी. सिंह द्वारा ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान से हुआ, जिसके साथ ही सम्पूर्ण वातावरण "जय हिन्द" के नारों से गूंज उठा।*

अपने प्रेरणादायी संबोधन में श्री सिंह ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों की याद दिलाते हुए अनुशासन, समर्पण और देशप्रेम के महत्व पर बल दिया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने देशभक्ति गीत, नृत्य, भाषण और लघु नाटिकाओं के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम की झलक प्रस्तुत कर सभी के हृदय में राष्ट्रप्रेम की भावना को और प्रबल कर दिया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या श्रीमती पिंकी तिवारी ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को एकता और सत्यनिष्ठा के पथ पर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

14_Page_01.qxd 30/08/2025 3:07 PM Page 1

बच्चों ने प्रस्तुत किए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम-देशभक्ति गीत, कविताएँ, नृत्य एवं नाटक।

नवल्स नेशनल अकादमी बक्शीपुर में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया धूमधाम से

● कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि श्री प्रखर त्रिपाठी द्वारा ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुई। ● विद्यालय प्रांगण में देशभक्ति गीत, नारों और तिरंगे के रंगों से अद्भुत माहौल बना। ● विद्यार्थियों ने आजादी के महत्व और शहीदों के बलिदान पर अपने विचार रखे, जिससे वातावरण भावुक हो गया। ● शिक्षक गण ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष से प्रेरणा लेने और देश की प्रगति में योगदान का आह्वान किया। ● कार्यक्रम का समापन मिठाई वितरण के साथ हुआ, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शैलजा मिश्रा/शिक्षक संवाददाता

नवल्स बक्शीपुर। *नवल्स नेशनल अकादमी, बक्शीपुर शाखा में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि श्री प्रखर त्रिपाठी द्वारा ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके बाद विद्यालय प्रांगण देशभक्ति गीतों, नारों और तिरंगे की शान से गूंज उठा।*

बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिनमें देशभक्ति गीत, कविताएं, नृत्य और नाटक शामिल थे। विद्यार्थियों ने आजादी के महत्व और शहीदों के बलिदान पर अपने विचार व्यक्त किए, जिससे उपस्थित जनसमूह भावविभोर हो उठा।

शिक्षक गण ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को याद करने तथा देश की प्रगति में योगदान देने का आह्वान किया। अंत में मिठाई वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

15_Page_01.qxd 30/08/2025 3:07 PM Page 1

विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण और राधा के रूप में आकर्षक झांकियां प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया

नवल्स नेशनल अकेडमी बक्शीपुर में

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई

● नन्हें-मुन्नें बच्चों ने कृष्ण जन्म, माखन चोरी और रासलीला के प्रसंगों का जीवंत चित्रण किया। ● विद्यालय प्रांगण में सजी झोपड़ी और सांस्कृतिक दृश्यों ने कार्यक्रम की भव्यता को और बढ़ा दिया। ● ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति आस्था व गर्व की भावना जागृत करते हैं। ● कार्यक्रम में अध्यापक, अभिभावक और विद्यार्थी सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

शैलजा मिश्रा/शिक्षक संवाददाता

नवल्स बक्शीपुर। *श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया, जहां विद्यालय के विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण और राधा के रूप में आकर्षक झांकियां प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।*

नन्हें-मुन्नें बच्चों ने विविध झांकियों के माध्यम से कृष्ण जन्म, माखन चोरी और रासलीला जैसे प्रसंगों का जीवंत चित्रण किया। विद्यालय प्रांगण में सजी झोपड़ी और मोहक दृश्यों ने पूरे वातावरण को भव्य बना दिया। इस अवसर पर अध्यापक, अभिभावक और विद्यार्थी सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ऐसे सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति और परंपरा के प्रति आस्था व गर्व की भावना उत्पन्न करते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी को प्रसाद वितरण किया गया।

16_Page_01.qxd 30/08/2025 3:08 PM Page 1

श्री पीयूष माधव त्रिपाठी सर ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई

नवल्स नेशनल अकादमी, खजनी शाखा में धूमधाम से मनाया गया

79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

शुभारंभ : समारोह की शुरुआत सरस्वती पूजा से हुई, जहाँ ज्ञान की देवी का आशीर्वाद लिया गया। **ध्वजारोहण :** छात्रों के नेतृत्व में हुआ ध्वजारोहण, भारत माता की जय और स्वतंत्रता सेनानियों के जयघोष से गूंजा पूरा वातावरण।

शिक्षक संवाददाता

नवल्स खजनी। *नवल्स नेशनल अकादमी खजनी शाखा में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। समारोह की शुरुआत सरस्वती पूजा से हुई जिसमें ज्ञान की देवी का आशीर्वाद लिया गया।*

मुख्य अतिथि के रूप में आदरणीय निदेशक महोदय श्री पीयूष माधव त्रिपाठी सर ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उनका स्वागत बैज लगाकर सम्मानपूर्वक किया गया। ध्वजारोहण के बाद भारत माता की जय और वीर स्वतंत्रता सेनानियों के जयघोष से पूरा वातावरण देशप्रेम से सराबोर हो गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गीत और सरस्वती वंदना से हुआ, जिसके बाद छात्रों ने देशभक्ति गीत, हिंदी एवं अंग्रेजी भाषण, ऊर्जावान मार्शल आर्ट प्रदर्शन और रंगारंग फैंसी ड्रेस शो प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया।

जूनियर और सीनियर छात्रों ने भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाते हुए एकल एवं समूह नृत्यों से मंच को जगमगा दिया। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अरुणेश पाण्डेय के प्रेरक संबोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने छात्रों को अनुशासन, समर्पण और देशप्रेम के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने राष्ट्र की गरिमा और बलिदानी स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। जय हिंद।

17_Page_01.qxd 30/08/2025 3:08 PM Page 1

एलकेजी से कक्षा 8वीं तक के छात्रों ने राधा-कृष्ण की वेशभूषा में मन मोह लिया

नवल्स एकेडमी खजनी शाखा में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भक्ति गीतों ने उत्सव को बनाया अविस्मरणीय, प्राचार्य श्री अरुणेश पाण्डेय ने दी शुभकामनाएँ व शिक्षकों को साधुवाद

शिक्षक संवाददाता

नवल्स खजनी। *नवल्स एकेडमी की खजनी शाखा में 14 अगस्त 2025 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व बड़े हर्षोल्लास और भक्ति भाव से मनाया गया।*

कार्यक्रम में एलकेजी, यूकेजी से लेकर कक्षा 8वीं तक के नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राओं ने राधा और कृष्ण के रूप में रंगारंग वेशभूषा धारण कर अपनी मासूम अदाओं से सभी का मन मोह लिया।

पूरे विद्यालय परिसर में भक्ति और आनंद का वातावरण व्याप्त रहा। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य और भक्ति गीतों ने सभी को श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं की याद दिला दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री अरुणेश पाण्डेय ने छात्रों और शिक्षकों को जन्माष्टमी की अग्रिम शुभकामनाएँ देते हुए सफल आयोजन हेतु सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

18_Page_01.qxd 30/08/2025 3:09 PM Page 1

विद्यालय परिसर में "नशा मुक्त भारत" बनाने की गूँजी प्रतिज्ञा।

नवल्स खजनी के छात्र-छात्राओं ने लिया नशा मुक्त भारत का संकल्प

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नवल्स एकेडमी खजनी में सामूहिक शपथ कार्यक्रम आयोजित। सभी छात्र-छात्राओं ने नशे से दूर रहने और समाज को जागरूक करने का लिया संकल्प। प्राचार्य श्री अरुणेश पाण्डेय ने शपथ का नेतृत्व कर छात्रों को नशे के दुष्परिणाम बताए।

शिक्षक संवाददाता

नवल्स खजनी। *उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे "नशा मुक्त भारत अभियान" के अंतर्गत नवल्स एकेडमी, खजनी शाखा में 13 अगस्त 2025 को सामूहिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।*

प्रातःकालीन सभा स्थल पर विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने नशे से दूर रहने एवं समाज को इसके दुष्परिणामों से जागरूक करने का संकल्प लिया।

शपथ ग्रहण समारोह का नेतृत्व विद्यालय के प्राचार्य श्री अरुणेश पाण्डेय ने किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने छात्रों को नशे के खतरों से आगाह करते हुए जीवनभर इस बुराई से दूर रहने की अपील की।

19_Page_01.qxd 30/08/2025 3:10 PM Page 1

विद्यार्थियों ने संत कबीरदास की समाधि स्थल एवं मजार का दर्शन किया

नवल्स कुसम्ही के विद्यार्थियों का मगहर में शैक्षणिक भ्रमण

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने कबीरदास के जीवन, साहित्य और उनके दर्शन के बारे में गहन जानकारी प्राप्त की। शिक्षकों ने कबीर की रचनाओं और उनकी सामाजिक शिक्षाओं को विद्यार्थियों को विस्तार से समझाया। इस शैक्षणिक यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्यिक एवं सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ना रहा।

शिक्षक संवाददाता

नवल्स कुसम्ही। *नवल्स एकेडमी कुसम्ही शाखा के कक्षा 11वीं एवं 12वीं के हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने संत कबीर की निर्वाण स्थली मगहर का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को कबीरदास के जीवन दर्शन, साहित्यिक योगदान और उनकी अमर वाणी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।*

विद्यार्थियों ने संत कबीर की समाधि स्थल और मजार पर जाकर उनके जीवन के उस अद्वितीय संदेश को आत्मसात किया, जिसमें उन्होंने जाति-पांति और धार्मिक भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता को सर्वोपरि माना। शिक्षकों ने कबीरदास की प्रमुख रचनाओं और दोहों का उल्लेख करते हुए बताया कि कबीर का संदेश आज भी समाज को मार्गदर्शन देता है।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने यह भी जाना कि कबीरदास ने अपने जीवन से लोगों को सत्य, सादगी और समानता का रास्ता दिखाया। इस यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्यिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर से जोड़ना था, जिससे वे न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करें बल्कि जीवन मूल्यों को भी समझें।

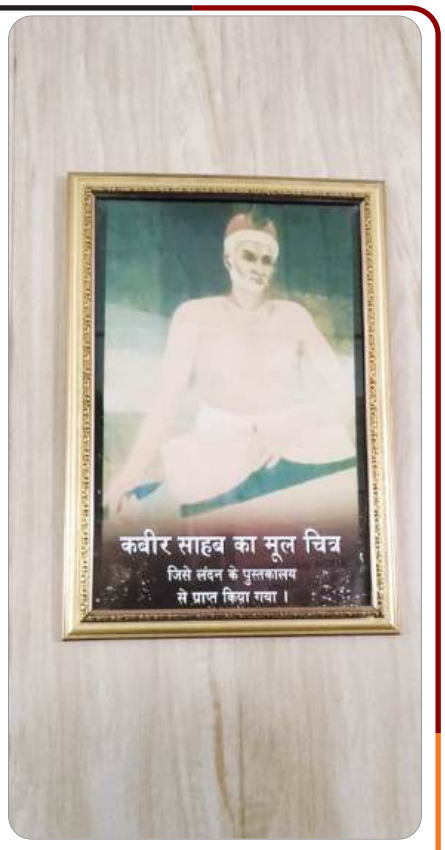

20_Page_01.qxd 30/08/2025 3:11 PM Page 1

नवल्स नेशनल अकादमी, उनवल शाखा में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

तिरंगा लहराया

देशभक्ति से गूंजा विद्यालय परिसर

कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः प्रार्थना के साथ हुई, इसके बाद निदेशक श्री पीयूष माधव त्रिपाठी एवं डॉ. विनय कुमार झा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कक्षा 4 की छात्रा अक्षिता सिंह ने मधुर स्वर में राष्ट्रगान प्रस्तुत कर वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक रैली निकालकर आस-पास के क्षेत्रों में एकता और देशभक्ति का संदेश फैलाया।

शिक्षक संवाददाता

नवल्स उनवल। *उनवल शाखा में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया।*

कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः प्रार्थना के साथ हुई, जिसके उपरांत निदेशक श्री पीयूष माधव त्रिपाठी एवं डॉ. विनय कुमार झा ने ध्वजारोहण किया। इसी क्रम में कक्षा 4 की छात्रा अक्षिता सिंह ने मधुर स्वर में राष्ट्रगान प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को गर्व और उल्लास से भर दिया।

इसके बाद विद्यालय के सभी छात्रों ने एक भव्य रैली निकालकर आसपास के क्षेत्रों में एकता और देशभक्ति का संदेश फैलाया।

रैली के उपरांत विद्यालय प्रांगण में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें भाषण, देशभक्ति गीत, नृत्य, पिरामिड और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता शामिल रहे। नन्हें-मुन्ने बच्चों ने भी पूरे उत्साह और मासूमियत के साथ अपनी प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्हें देखकर उपस्थितजन भाव-विभोर हो उठे।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्र के प्रति गर्व और जिम्मेदारी की नई भावना के साथ हुआ, जिससे सभी के मन में देशभक्ति का जोश और अधिक प्रबल हो गया।

21_Page_01.qxd 30/08/2025 3:11 PM Page 1

नवल्स नेशनल अकादमी, उनवल में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया

नवल्स नेशनल अकादमी, उनवल में धूमधाम से मनाई गई जन्माष्टमी

छात्रों ने राधा-कृष्ण के रूप में सुंदर झाँकियाँ प्रस्तुत कीं। भावपूर्ण नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित कार्यक्रम जैसे माखनचोरी, रासलीला और दही हांडी ने समां बाँध दिया। विद्यार्थियों की रचनात्मकता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति की सभी ने सराहना की। पूरा विद्यालय परिसर भक्तिमय और आनंदमय माहौल से गूँज उठा।

शिक्षक संवाददाता

नवल्स उनवल। *नवल्स नेशनल अकादमी, उनवल में जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई। "मुरली की मधुर तान सुनाए, नंदलाल के गीत, जनमाष्टमी आई लेकर भक्ति-भाव की रीत" के भावपूर्ण संदेश के साथ विद्यालय परिसर भक्ति रस में सराबोर हो गया।*

"मुरली की मधुर तान सुनाए, नंदलाल के गीत, जनमाष्टमी आई लेकर, भक्ति-भाव की रीत।"

छात्रों ने राधा-कृष्ण के रूप में मनमोहक झाँकियाँ प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भावपूर्ण नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित माखनचोरी, रासलीला और दही हांडी जैसे कार्यक्रमों ने समां बाँध दिया। विद्यार्थियों की रचनात्मकता और सांस्कृतिक प्रतिभा की सभी ने सराहना की और पूरा वातावरण आनंदमय व भक्तिमय हो गया।

22_Page_01.qxd 30/08/2025 3:12 PM Page 1

नवल्स नेशनल अकादमी, अयोध्या में आज 79वें स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी का भव्य आयोजन बड़े हर्षोल्लास और गरिमा के साथ संपन्न हुआ

अयोध्या में स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी का रंगारंग उत्सव

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती मंजुला आनन्द (D.M.O.) जी द्वारा ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के मधुर स्वरों के साथ हुआ। तिरंगे की शान में गूँजते जयघोष ने वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। विद्यालय का पूरा वातावरण तिरंगे की शान और मुरली की तान से गुंजायमान रहा।

नीलम यादव/शिक्षक संवाददाता

नवल्स अयोध्या। नवल्स नेशनल अकादमी में 15 अगस्त 2025 को 79वें स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी का संयुक्त रूप से भव्य आयोजन बड़े हर्षोल्लास और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय परिसर तिरंगे की शान और मुरली की तान से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती मंजुला आनन्द (डी.एम.ओ.) द्वारा ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। तिरंगे की शान में गूंजते जयघोष ने पूरे वातावरण को देशभक्ति की भावना से सराबोर कर दिया।

इसके उपरांत विद्यालय के सभागार में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे परिधानों में देशभक्ति गीत, कविताएं और नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। मंच से गूंजते गीतों और कविताओं ने सभी के हृदय में देशप्रेम की लौ प्रज्वलित कर दी।

मुख्य अतिथि श्रीमती मंजुला आनन्द ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए अपने बचपन के दिनों को याद किया और विद्यार्थियों को प्रेरणादायी संदेश दिया। जन्माष्टमी के अवसर पर प्रस्तुत राधा-गोपियों का अभिनय और द्रौपदी चीरहरण की नृत्य नाटिका कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही।

प्रधानाचार्या श्रीमती अपूर्वा चतुर्वेदी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग और बलिदान को नमन करते हुए विद्यार्थियों को ईमानदारी, परिश्रम और देशसेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। पूरे विद्यालय में तिरंगे के रंग और देशभक्ति की महक से सराबोर उल्लासपूर्ण माहौल बना रहा।

23_Page_01.qxd 30/08/2025 3:13 PM Page 1

ध्वजारोहण व राष्ट्रगान-मुख्य अतिथि श्रीमती मंजुला आनन्द (D.M.O.) द्वारा ध्वजारोहण, जयघोष से गूंजा विद्यालय

'नवल्स अयोध्या में तिरंगे की शान और मुरली की तान संग सजी दोहरी धूम'

देशभक्ति रंग- विद्यार्थियों ने गीत, कविता और नृत्य प्रस्तुत कर देशप्रेम की लौ प्रज्वलित की। **जन्माष्टमी मंचन-** राधा-गोपियों की झलक और द्रौपदी चीरहरण नृत्य नाटिका रही विशेष आकर्षण। **प्रेरणादायी संदेश-** प्रधानाचार्या श्रीमती अपूर्वा चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को ईमानदारी, परिश्रम और देशसेवा का संकल्प दिलाया।

24_Page_01.qxd 30/08/2025 3:13 PM Page 1

विद्यालय की छात्राओं ने पुलिसकर्मियों के साथ मनाया रक्षा बंधन पर्व

राखी के पावन पर्व पर छात्राओं ने पुलिसकर्मियों को बांधी राखी

राखी बाँधकर किया सुरक्षा प्रहरी पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त, छात्राओं ने मुस्कान और प्रेम से सजाई भाईचारे की डोर, पुलिसकर्मी हुए भावुक, बोले-यह रिश्ता हमें और कर्तव्यनिष्ठ बनाएगा।

शिक्षक संवाददाता

नवल्स बैंबिनी। *आज विद्यालय की छात्राओं को यह विशेष अवसर मिला जब उन्होंने हमारे साहसी पुलिसकर्मियों के साथ रक्षा बंधन का पर्व मनाया। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर बच्चियों ने पुलिसकर्मियों की कलाई पर राखी बाँधकर उनके प्रति अपने सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता को प्रकट किया।*

यह भावनात्मक पल सभी के लिए यादगार बन गया। छात्राओं ने मुस्कुराते हुए अपने "रियल हीरोज़" यानी पुलिसकर्मियों को सच्चे भाई का दर्जा दिया। पुलिसकर्मियों ने भी इस gesture को दिल से स्वीकार करते हुए कहा कि यह रिश्ता उन्हें और अधिक समर्पण व निष्ठा के साथ जनता की सेवा करने की प्रेरणा देगा।

विद्यालय परिवार ने इस अवसर पर छात्राओं की पहल और पुलिसकर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए सभी को रक्षा बंधन की शुभकामनाएँ दीं।

25_Page_01.qxd 30/08/2025 3:14 PM Page 1

छात्राओं ने राखी बाँधकर पुलिसकर्मियों के प्रति जताया आभार और सम्मान

'राखी के धागों में बंधा सुरक्षा का वादा–छात्राओं ने पुलिसकर्मियों संग मनाया रक्षा बंधन'

पुलिसकर्मियों ने राखी को भाईचारे और कर्तव्यनिष्ठा का पवित्र बंधन बताया, विद्यालय प्रांगण में रक्षाबंधन का पर्व भावनात्मक और उत्साहपूर्ण ढंग से मनाया गया, छात्राओं ने पुलिसकर्मियों को "रियल लाइफ हीरो" का दर्जा देते हुए स्नेह प्रकट किया, इस पहल ने समाज में भाईचारे, सुरक्षा और प्रेम का सुंदर संदेश दिया

26_Page_01.qxd 30/08/2025 3:40 PM Page 1

ध्वजारोहण व राष्ट्रगान : सम्मानपूर्वक ध्वजारोहण किया गया और तिरंगे को नमन करते हुए सभी ने खड़े होकर राष्ट्रगान गाया

बैंबिनी विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह

उद्घाटन व संदेश : कार्यक्रम की शुरुआत Opening Speech से हुई, जिसमें मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता का महत्व और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। **सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ :** छात्रों ने स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित नृत्य, वीरता और एकता का संदेश देती लघु नाटिका तथा शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरूप कविता प्रस्तुत की। **मिठाई वितरण :** समारोह के अंत में बच्चों के बीच मिठाइयाँ बाँटी गईं, जिससे उनके चेहरों पर खुशी और भी बढ़ गई।

ममता शुक्ला/शिक्षक संवाददाता

नवल्स बैंबिनी। बैंबिनी विद्यालय में इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि के Opening Speech से हुई, जिसमें विद्यार्थियों को स्वतंत्रता का महत्व और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया गया। इसके बाद सम्मानपूर्वक ध्वजारोहण किया गया और तिरंगे को सलामी देते हुए सभी ने खड़े होकर राष्ट्रगान गाया।

कार्यक्रम को और आकर्षक बनाने के लिए छात्रों ने स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित नृत्य, वीरता और एकता का संदेश देती लघु नाटिका तथा शहीदों को समर्पित कविता पाठ प्रस्तुत किए, जिन्होंने वातावरण को ऊर्जावान और भावनात्मक बना दिया। अंत में बच्चों के बीच मिठाइयाँ वितरित की गईं, जिससे उनके चेहरों पर खुशी और भी बढ़ गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा, "आज का दिन हमें यह स्मरण कराता है कि आज़ादी हमें कितनी कुर्बानियों के बाद मिली है, हमें इसका सम्मान करना चाहिए।" वहीं विद्यालय की प्रधानाचार्या ने अपने उद्बोधन में कहा, "हमारा संकल्प है कि हम बच्चों को न केवल शिक्षा देंगे, बल्कि उन्हें संस्कार और देशभक्ति की भावना से भी समृद्ध करेंगे।"

समारोह के अंत में विद्यालय परिवार ने संकल्प लिया कि वे राष्ट्र के विकास में अपना पूर्ण योगदान देंगे और आने वाली पीढ़ी को संस्कार एवं शिक्षा की मजबूत नींव प्रदान करेंगे।

27_Page_01.qxd 30/08/2025 3:16 PM Page 1

सम्मानपूर्वक ध्वजारोहण हुआ और तिरंगे को नमन करते हुए सभी ने राष्ट्रगान गाया

बैंबिनी विद्यालय में आजादी का जश्न

गूंजा देशभक्ति का स्वर

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के Opening Speech से हुई, जिसमें स्वतंत्रता का महत्व और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया गया। छात्रों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत नृत्य, लघु नाटिका और कविता प्रस्तुत कर माहौल को भावनात्मक व ऊर्जावान बना दिया। समारोह के अंत में बच्चों को मिठाइयाँ वितरित की गईं, जिससे उनके चेहरों पर प्रसन्नता झलक उठी। मुख्य अतिथि और प्रधानाचार्या ने राष्ट्र निर्माण में शिक्षा और संस्कार की भूमिका पर बल देते हुए विद्यालय परिवार ने देश की सेवा का संकल्प लिया।

शिक्षक संवाददाता

नवल्स बैंबिनी। बैम्बिनी विद्यालय में इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। विद्यालय परिसर तिरंगे के रंगों और देशभक्ति की भावना से सराबोर रहा।

कार्यक्रम की प्रमुख झलकियाँ

शुभारंभ एवं स्वागत भाषण

समारोह की शुरुआत Opening Speech से हुई, जिसमें मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता का महत्व समझाया और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया।

ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान

सम्मानपूर्वक ध्वजारोहण किया गया और सभी उपस्थित लोगों ने तिरंगे को नमन करते हुए राष्ट्रगान गाया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

छात्रों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग प्रस्तुतियाँ दीं–

स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित नृत्य

वीरता और एकता पर आधारित लघु नाटिका

शहीदों को समर्पित कविता पाठ

इन प्रस्तुतियों ने माहौल को भावुक और ऊर्जावान बना दिया।

मिठाई वितरण

कार्यक्रम के अंत में बच्चों के बीच मिठाइयाँ वितरित की गईं, जिससे उनके चेहरों पर खुशी और भी बढ़ गई।

संकल्प

विद्यालय परिवार ने संकल्प लिया कि वे राष्ट्र के विकास में योगदान देंगे और आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा व संस्कार की मजबूत नींव प्रदान करेंगे।

28_Page_01.qxd 30/08/2025 3:16 PM Page 1

कार्यक्रम की शुरुआत माँ भारती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुई

नवल्स नेशनल एकेडमी राप्तीनगर शाखा में स्वतंत्रता दिवस समारोह का उल्लासपूर्ण आयोजन

■ नवल्स नेशनल एकेडमी राप्तीनगर में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन बड़े उत्साह से हुआ, मुख्य अतिथि श्री के. एन. गुप्त जी एवं प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद कुमार सोनी जी ने ध्वजारोहण किया। ■ विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, युगल गायन और जलियावाला बाग घटनाक्रम पर आधारित एकांकी प्रस्तुत की। ■ मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता का सही उपयोग कर देश के विकास में योगदान देने की प्रेरणा दी, वहीं प्रधानाचार्य ने स्वतंत्रता का सम्मान व दूसरों के अधिकारों की रक्षा का संदेश दिया। ■ समापन वंदे मातरम् गान और मिष्ठान वितरण के साथ हुआ, जिससे सभी में देशभक्ति का जोश और प्रबल हुआ।

विवेकानंद तिवारी/शिक्षक संवाददाता

नवल्स राप्तीनगर। राप्तीनगर स्थित नवल्स नेशनल एकेडमी में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस का आयोजन बड़े उत्साह और धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में एकेडमिक गवर्नर श्री के एन गुप्त जी उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रधानाचार्य डॉ अरविंद कुमार सोनी जी के साथ मिलकर ध्वजारोहण किया। राष्ट्रीय ध्वज के शान से लहराने के बाद, सभी ने राष्ट्रगान गाया और देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत हो गए।

समारोह की शुरुआत माँ भारती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जो राष्ट्र के प्रति श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक था। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने अपनी कला और उत्साह से दर्शकों का मन मोह लिया। देशभक्ति गीतों की गूंज से माहौल भावनाओं से भर गया, जबकि समूह नृत्य ,समुह गीत और युगल गीतों ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। जलियावाला बाग घटनाक्रम पर आयोजित एकांकी ने सबका ध्यान आकृष्ट किया। छोटे बच्चों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं श्री कृष्ण, राधा के वेशभूषा में जहाँ एक ओर आकर देश की आजादी के संघर्ष को जीवंत किया तो दूसरी तरफ उस मनमोहक मुस्कान को प्रदर्शित किया, जिसने सभी को गौरव, प्रेरणा और रोमांच से भर दिया।

मुख्य अतिथि श्री के एन गुप्त जी ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता के असली मायने तभी समझ में आते हैं जब हम इसका सही उपयोग करें और देश के विकास में अपना योगदान दें।

प्रधानाचार्य डॉ अरविंद कुमार सोनी जी ने अपने प्रभावशाली संबोधन के माध्यम से यह संदेश दिया कि हमारी स्वतंत्रता तभी तक सुरक्षित है जब हम दूसरों की स्वतंत्रता का सम्मान करें। उनके विचारों ने सभी को सोचने पर मजबूर कर दिया और यह समझाया कि सही मायनों में स्वतंत्रता का आदर तभी होता है जब हम सभी के अधिकारों का ध्यान रखें। उन्होंने ध्वजारोहण एवं ध्वज फहराने के अंतर को भी स्पष्ट किया। उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी अतिथियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सराहा।कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम् गान के साथ हुआ। समारोह ने सभी के दिलों में देशभक्ति की भावना को और अधिक सशक्त किया, और स्वतंत्रता के महत्व को समझने की प्रेरणा दी।

उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों में विद्यालय प्रबंधन की तरफ से मिष्ठान वितरण किया गया।

समारोह की मुख्य झलकियाँ

ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान : मुख्य अतिथि एकेडमिक गवर्नर श्री के. एन. गुप्त जी एवं प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद कुमार सोनी जी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके उपरांत राष्ट्रगान गाकर सभी ने देशभक्ति का संकल्प दोहराया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ : विद्यार्थियों ने समूह गीत, समूह नृत्य, युगल गायन एवं जलियावाला बाग घटनाक्रम पर आधारित एकांकी प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। छोटे बच्चों ने स्वतंत्रता सेनानियों एवं श्रीकृष्ण-राधा की वेशभूषा धारण कर आकर्षण बढ़ाया।

मुख्य अतिथि का संदेश : श्री के. एन. गुप्त जी ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराते हुए देश के विकास में योगदान देने की प्रेरणा दी।

प्रधानाचार्य का संबोधन : डॉ. अरविंद कुमार सोनी जी ने स्वतंत्रता के सही मायनों और दूसरों की स्वतंत्रता का सम्मान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने ध्वजारोहण और ध्वज फहराने के अंतर को भी स्पष्ट किया।

कार्यक्रम का समापन : वंदे मातरम् गान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। तत्पश्चात विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को मिष्ठान वितरित किया गया।

29_Page_01.qxd 30/08/2025 3:17 PM Page 1

छात्रों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित नाटक प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

नवल्स नेशनल अकादमी, मोहनापुर में उत्साहपूर्वक आयोजन हुआ

स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी का

- प्राचार्या श्रीमती दीपिका सिंह ने तिरंगा फहराया और राष्ट्रगान से कार्यक्रम की शुरुआत हुई।
- स्वतंत्रता, एकता और युवाओं की भूमिका पर प्रेरणादायक संबोधन ने सभी को उत्साहित किया।
- विद्यालय परिसर कृष्ण लीलाओं की झांकियों और फूलों से सजा, भक्ति का माहौल छा गया।
- राधा-कृष्ण रूप में सजे छात्रों के नृत्य और भजन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।
- दही-हांडी प्रतियोगिता ने सहयोग और उत्साह का संदेश दिया, मिठाई वितरण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

डॉ. शशि भूषण पाण्डेय/शिक्षक संवाददाता

नवल्स मोहनपुर। नवल्स नेशनल अकादमी, मोहनपुर ने प्राचार्या श्रीमती दीपिका सिंह के मार्गदर्शन और शिक्षकों एवं कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों से 79वें स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी को अत्यंत उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्या श्रीमती दीपिका सिंह द्वारा तिरंगा फहराए जाने के साथ हुई, जिसके बाद राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। अपने प्रेरणादायक भाषण में उन्होंने स्वतंत्रता, एकता और युवाओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका के महत्व पर प्रकाश डाला। छात्रों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और भाषणों की प्रस्तुति देकर भारत के स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत के स्वतंत्रता संग्राम को दर्शाते एक विशेष नाटक ने दर्शकों को भावुक कर दिया।

इसके बाद, अकादमी का परिसर जन्माष्टमी के उत्सव में रंग गया। परिसर को फूलों और भगवान कृष्ण के बाललीलाओं को दर्शाती झांकियों से सजाया गया था।

छात्रों ने राधा-कृष्ण के रूप में सजधज कर भक्ति गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। 'दही हांडी' कार्यक्रम इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहा, जहां छात्रों की टीमों ने मानव पिरामिड बनाकर मटका फोड़ा, जिसने सहयोग और उत्साह का संदेश दिया।

प्राचार्या श्रीमती दीपिका सिंह ने दोनों आयोजनों को सफल बनाने के लिए छात्रों और स्टाफ के प्रयासों की सराहना की। मिठाई वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसमें एकता, भक्ति और देशभक्ति का संदेश दिया गया।

इन दोहरे आयोजनों ने न केवल राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत किया, बल्कि छात्रों के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को भी सुदृढ़ किया।

30_Page_01.qxd 30/08/2025 3:17 PM Page 1

प्राचार्या श्रीमती दीपिका सिंह ने तिरंगा फहराकर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की

नवल्स अकादमी, मोहनपुरा में देशभक्ति और भक्ति का संगम

■ स्वतंत्रता, एकता और युवाओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका पर प्रेरक संबोधन दिया गया। ■ छात्रों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित नाटक से सभी को भावविभोर किया। ■ विद्यालय परिसर कृष्ण लीलाओं की झांकियों और फूलों की सजावट से भक्ति रंग में रंग उठा। ■ राधा-कृष्ण के रूप में छात्रों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। ■ दही-हांडी प्रतियोगिता और मिठाई वितरण ने सहयोग, उत्साह और एकता का संदेश दिया।

डॉ. शशि भूषण पाण्डेय/शिक्षक संवाददाता

नवल्स मोहनपुर। नवल्स नेशनल अकादमी, मोहनपुर में 79वां स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी बड़े ही हर्षोल्लास और भक्ति-भाव से मनाया गया। यह आयोजन प्राचार्या श्रीमती दीपिका सिंह के नेतृत्व और शिक्षकों व कर्मचारियों के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

मुख्य आकर्षण

ध्वजारोहण व राष्ट्रगान : कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्या श्रीमती दीपिका सिंह द्वारा तिरंगा फहराने और राष्ट्रगान के साथ हुई।

प्रेरक संबोधन : उन्होंने अपने भाषण में स्वतंत्रता, एकता और युवाओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका पर प्रकाश डाला।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ : छात्रों ने देशभक्ति गीत, भाषण, नृत्य और स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित नाटक प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर किया।

जन्माष्टमी सजावट : विद्यालय परिसर को फूलों व भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित झांकियों से सजाया गया।

दही-हांडी कार्यक्रम : छात्रों ने मानव पिरामिड बनाकर मटका फोड़ा, जिससे सहयोग और उत्साह का संदेश प्रसारित हुआ।

समापन : प्राचार्या श्रीमती दीपिका सिंह ने छात्रों और स्टाफ के प्रयासों की सराहना की। अंत में मिठाई वितरण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसने एकता, भक्ति और देशभक्ति का सुंदर संदेश दिया।